



कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-7

“मैं पहली चुदाई का मजा ले चुकी थी. लेकिन इससे मेरी चुदाई की आग कुछ खास शांत नहीं हुई थी. चुदाई की आग वो आग है कि जितनो चुदो, उतना भड़कती है. पढ़ें मेरी अगली चुदाई!...”

Story By: Sukant Sharma (sukant7up)

Posted: Monday, April 22nd, 2019

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-7](#)

कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-7

अंकल जी का वीर्य अपनी चूत में फील करते ही मुझे एक बार फिर से उत्तेजना का ज्वार उठा और मैं फिर से झड़ गयी.

मैंने चूत को हाथ से छू कर देखा तो गाढ़ा सफ़ेद लाल मिक्सचर सा बह रहा था.

फिर अंकल जी मुझे सहारा देकर वाशरूम ले गए और मुझे एक पट्टे पर बैठा कर गीजर के गुनगुने पानी से उन्होंने मेरी चूत धोई. आधे घंटे बाद मैं स्वस्थ महसूस करने लगी और मैं चुपके से धीरे धीरे साइकिल चलाती अपने घर को निकल ली.

घर पहुँच कर मैंने महसूस किया कि मेरी चाल बदल चुकी थी, मेरे चलने फिरने में वो पहले वाली बात नहीं रह गई थी, मेरी चूत में भी अजीब से फीलिंग हो रही थी पता नहीं क्यों? अगले दिन मैं स्कूल नहीं गयी, मन ही नहीं कर रहा था तो सारे दिन अपने रूम में बेड पर पड़ी रही और अपनी पहली चुदाई की एक एक बात याद करती रही.

अंकल जी ने मेरी जितनी केयर की थी उससे उनके प्रति मेरे मन में सम्मान और शायद प्यार भी बढ़ गया था. अब वो मुझे अंकल जी की जगह मेरे अपने 'वो' लगने लगे थे.

उसके अगले दिन सन्डे था तो दोपहर में मैं डॉली के घर चली गयी और उसे अपनी पहली चुदाई की खबर दी.

“वाओ, दैट्स ग्रेट बेबी, अरे मिठाई ले के आती न पहली चुदाई की!” डॉली बोली और मुझे बांहों में भर के बेड पर पटक दिया और मेरे ऊपर चढ़ बैठी.

“यार तेरी बातों से लग रहा है कि तुझे तेरे अंकल ने अच्छे से सेटिस्फाई कर दिया है और तू उनकी फैन हो गयी है.” डॉली मुझे चिकोटी काट कर बोली.

“हां यार ये तो है, उम्मीद से ज्यादा मज़ा आया मुझे. सोच रही हूं कल फिर जाऊंगी उनसे मिलने !” मैंने कहा.

“आय हाय मेरी बन्नो, लगता है तुझे लण्ड की लत लग गयी है एक बार में ही. अच्छा सोनम एक बात बता अंकल जी ने तेरी चूत चाटी थी कि नहीं ?”

“हां यार, सबसे पहले तो उन्होंने मेरी चूत में ही जीभ घुसाई थी.”

“और तुझे चूत चटवाने में कैसा लगा था ?”

“यार डॉली, वो तो क्या मस्त फीलिंग थी, लगता था मैं बिना चुदे ही झड़ जाऊंगी, इतना मज़ा आ रहा था जब वो जीभ से मेरा मोती चाट रहे थे.”

“और तूने उनका लण्ड चूसा था ?” डॉली से पूछा.

“छी: ... वो सूसू करने वाली चीज मैं मुंह में नहीं ले सकती.” मैंने कहा.

“क्या ? कैसी है री तू ? अंकल जी ने भी तो तेरी सूसू करने वाली जगह चाटी चूसी थी कि नहीं ? अरे कोई चीज हमेशा गंदी थोड़ी ही रहती है. हमारे हाथ भी तो गन्दगी साफ करते हैं और हम उन्हीं हाथों को साफ करके खाना बनाते हैं, पूजा करते हैं कि नहीं ?” डॉली ने मुझे ज्ञान दिया.

“पर मेरा मन नहीं करता यार !” मैंने जैसे तैसे कहा.

“अरे तू भी न, अरे ये चूसना चुसवाना प्रेम की पराकाष्ठा होती है, देख सोनम जो तेरी चूत चूसेगा चाटेगा वो आदमी तुझे बहुत प्रिय लगेगा. ऐसे ही आदमी को वही लड़की प्रिय लगती है जो उनके अंगों को भरपूर प्यार दे. कोई भी प्यार इकतरफा तो नहीं हो सकता न. तू खुद देख लेना अबकी बार अगर तूने लण्ड नहीं चूसा तो वो तेरी चूत भी नहीं चाटेंगे.” इस तरह डॉली मुझे समझा रही थी.

“ओके बाबा, कल ट्राई करूंगी. अब ठीक ?” मैंने हार मानते हुए कहा.

“यार डॉली, एक बात बता. अंकल जी मेरे भीतर ही झड़ गए थे मुझे कुछ होगा तो नहीं ना ?” मैंने चिंतित स्वर में पूछा.

“सोनम रानी, अब होने को तो कुछ हो भी सकता है पर लण्ड से जब रस की पिचकारियां छूटती हैं तो उनका अलग ही आनन्द आता है, आता है या नहीं ?” वो बोली.

“हां यार, जब अंकल जी मुझमें झड़े तो पता नहीं क्यों एक बार फिर से मुझे मस्त मजा आया और मैं फिर से झड़ गयी थी.”

“सोनम, लण्ड के रस में ही असली मजा है मेरी जान इसी से चेहरे पर निखार आता है और जवानी और खिल उठती है ; तूने देखा तो है कि शादी के बाद लड़की कैसे खिल उठती है.” डॉली ने मुझे ज्ञान दिया.

“अरे यार, पर ये तो बता कि अगर मैं प्रेग्नेंट हो गयी तो ?”

“तू उसका टेंशन मत ले. बस मस्त हो के चुदवा ... अगर कुछ हो भी गया तो मुझे देसी दवा पता है ; आयुर्वेदिक मेडिसिन है वो, सब ठीक हो जाएगा, बस तू एन्जॉय कर !”

डॉली ने मुझे हिम्मत बंधाई.

इस तरह हमलोग काफी देर तक और भी स्कूल की बातें, अमृता के बारे में बातें करते रहे फिर मैं घर लौट आई.

अगले दिन सुबह से ही मेरी चूत फुदकने लगी थी चुदने के लिए तो स्कूल जाने के टाइम मैं घर से निकल ली और शुरू के दो पीरियड टाइम पास करके निकल ली और सबकी नज़रों से बचते बचाते मैं अंकल जी के घर जा पहुंची.

वो तो जैसे मेरा ही इंतज़ार कर रहे थे ; मेरे भीतर घुसते ही उन्होंने गेट बंद कर दिया और मेरी साइकिल अन्दर रख दी.

अबकी बार वो मुझे सीधे बेडरूम में ले गए और पहले मुझे कोल्ड ड्रिंक पीने को दी फिर मुझे बांहों में भर लिया और चूमा चाटी करने लगे. मैं भी खुल कर उनका साथ देने लगी और उन्हें किस करने लगी.

जल्दी ही हम दोनों के कपड़े उतरते चले गए और हमारे नंगे जिस्म आपस में गुंथ गए.

अंकल जी मेरे दोनों दूध दबा दबा कर चूसने लगे जिससे मेरे निप्पल तन गए और मुझे दूध चुसवाने का मज़ा आने लगा. उधर नीचे मेरी चूत गीली हो चुकी थी और अंकल जी का गर्म, कठोर लण्ड मेरी जांघों से रगड़ रहा था जिससे एक अलग ही आग मेरे भीतर सुलग उठी थी.

मैं उठ कर बैठ गयी और अंकल जी का लण्ड पकड़ लिया और इसकी फोरस्कन पीछे करके सुपारा बाहर निकाल कर हिम्मत जुटाई और अपने होंठ सुपारे पर रख दिए. एक अजीब सी गंध और स्वाद मेरे मुंह में घुल गया जिसे मैंने थूक के साथ गटक लिया और धीरे धीरे लण्ड चाटने लगी.

“आह ... सोनम बेटा, शाबाश ... बस ऐसे ही चाटती रहो और फिर चूसो इसे !” अंकल जी खुश होकर बोले.

मैंने महसूस किया कि उनका लण्ड मेरे मुंह लगते ही और बड़ा और कड़ा हो चुका था. पूरा लण्ड मुंह में घुसाना मेरे लिए मुश्किल था तो जितना मैं आराम से ले सकती थी, उतना चूसने लगी. जल्दी ही मेरी झिझक गायब हो गई और लण्ड चूसना मुझे अच्छा लगने लगा और मैं इसे हिला हिला कर चाटने और मुंह से मम्म .. की आवाज निकालते हुए चूसने लगी.

फिर अंकल जी ने मुझे लिटा दिया और मेरी समूची चूत अपने मुंह में भर कर झिंझोड़ डाली और फिर मेरी जांघें चाटने लगे काटने लगे.

“आह अंकल जी ... बस अब आ जाओ आप !” मैंने कहा.

मेरी उत्तेजना चरम पर थी और मैं बिना वक्त खोये लण्ड चाह रही थी अपनी चूत में.

“आता हूं बेटा ... पहले तू अपनी चूत अपने हाथों से खोल दे और अपने पैर ऊपर कर ले.”
अंकल जी बोले.

मैंने झट से अपने पैर ऊपर उठा कर मोड़ लिये और चूत पर हाथ रखकर उसे पूरी तरह खोल दिया. अंकल जी मुझे और मेरी चूत को निहार रहे थे. मुझे अपनी अवस्था का भान हुआ तो मैंने शरमा कर अपना मुंह घुमा लिया.

“सोनम बेटा, तू कितनी सुन्दर दिखती है जब ऐसे अपनी चूत अपने हाथों से खोल कर लेटती है.” अंकल जी मुग्ध होकर बोले.

“धत्त, मुझे शर्म आ रही है ; अब जल्दी करो जो करना हो.”

अंकल जी ने मेरी बात अनसुनी करके अपना मुंह मेरी खुली चूत में घुसा दिया और मेरे दोनों बूक्स कसकर पकड़ लिए और चूत की गहराई में चाटने लगे. और मेरी निगोड़ी कमर बेशर्मी से खुद ब खुद ऊपर उठ उठ कर चूत उनके मुंह में देने लगी.

फिर अंकल जी अचानक हट गए और मेरे होंठों पर अपने चूतरस में भीगे होंठ रख दिए. मेरी ही चूत का नमकीन पानी मेरे मुंह में घुल गया जिसे मैं गटक गई और उनके होंठ चूसने लगी.

“अंकल जी अब आ भी जाओ न ... प्लीज !” मैं आतुरता से बोली.

फिर अंकल जी ने अपना लण्ड मेरी चूत के छेद से सटाया और मेरी दोनों कलाइयाँ कस के पकड़ कर लण्ड को जोर से धकेल दिया. लण्ड फचाक से चूत में उतर गया उम्मह...

अहह... हय... याह... और मेरी बच्चेदानी से जा टकराया और वो ताबड़तोड़ चुदाई करने लगे.

“अंकल जीईईईईईईई ... लव यू राजा ... और जोर से करो !” मैं लाज शरम त्याग कर चुदासी होकर बोली.

“ये लो सोनम ... मेरी जान ... मेरी रानी ... ये ले मेरा लण्ड !”

“आह अंकल राजा ... हां ... ऐसे ही ... फाड़ डालो इसे आज बहुत सताया है इसने मुझे ... बस कुचल कर रख दो इस हरामन को !”

“तो ये ले गुड़िया रानी ...” अंकल जी बोले और मेरे दोनों पैर उन्होंने अपने कन्धों पर रख लिए और दनादन चोदने लगे मुझे.

मेरी चूत से चुदाई की ध्वनियाँ निकलने लगीं जो वातावरण को और उत्तेजक बना रहीं थीं. तभी अंकल जी ने अपना लण्ड बाहर निकाल लिया.

मैंने प्रश्नवाचक दृष्टि से उन्हें देखा कि क्या हुआ ?

“बेटा तेरी चूत बहुत पानी छोड़ रही है ; जरा पौँछ लूं ... फिर चोदता हूं तुझे !” अंकल जी बोले और नैपकिन से मेरी चूत अच्छे से पौँछ डाली और अपना लण्ड भी पौँछ कर सुखा लिया.

फिर उन्होंने मुझे पलट कर घोड़ी बना दिया और डौंगी स्टाइल में करके मेरी चूत में लण्ड पेल दिया और मेरे चूतड़ों पर चपत मार मार के मुझे चोदने लगे. मेरी दूसरी चुदाई में ही मैं बेशर्म होकर रंडी की तरह चुदवा रही थी.

अंकल जी ने मेरी चोटी पकड़ कर खींच ली जिससे मेरा मुंह ऊपर की ओर हो गया और वे मुझे पूरी शक्ति से चोदने लगे. मेरी चूत और नितम्बों पर उनका प्रहार मुझे असीम सुख दे रहा था बीच बीच में वे मेरे मम्मों दबोच कर मसल देते.

इस दूसरी चुदाई में पता नहीं मैं कितनी बार झड़ चुकी थी और अब मन कर रहा था कि अंकल हट जाएँ तो मैं लेट कर चैन की सांस लूं.

जल्दी ही उनका भी हो गया और मुझमें झड़ गए फिर लेट कर सुस्ताने लगे. मैं भी उनसे

लिपट कर उनके सिर पर हाथ फेरने लगी.

कुछ देर रेस्ट करने के बाद उनका लण्ड फिर से तन गया. दूसरे दौर में मैं उनके ऊपर चढ़ कर खूब उछली और उन्होंने मेरे मम्मों थाम कर नीचे से वो रेल चलाई कि मैं निहाल हो गयी.

उस दिन के बाद भी हमें कई मौके मिले जब मेरी चूत की कुटाई हुई, एक दो बार तो सुबह सवेरे मोर्निंग वाक पर पेड़ से टिक कर चुदी मैं!

कहानी जारी रहेगी.

sukant7up@gmail.com

Other stories you may be interested in

याराना का तीसरा दौर-4

इससे पिछले भाग में आपने पढ़ा कि अपने भाई विक्रम और उसकी बीवी रीनल की सच्चाई जानने के बाद राजवीर यानि कि मैं किस कदर हैरान हो गया था. जब हम दोनों भाई घर पहुंचे तो वीणा ने अपनी इच्छाओं [...]

[Full Story >>>](#)

कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-5

अगली सुबह देर से आँख खुली ; सात बज चुके थे और दिन चढ़ आया था तो अब मोर्निंग वाक पर जाने का तो प्रश्न ही नहीं था अतः यू ही अलसाई सी लेटी रही और मन में उधेड़बुन चलती रही, [...]

[Full Story >>>](#)

खामोशी : द साईलेन्ट लव-6

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैं अपनी पड़ोसन की बेटी मोनी की चूत को चोदने के लिए तड़प रहा था. आखिरकार वह रात आ ही गयी और उस रात में मोनी की चूत की चुदाई करके कॉन्डोम [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे नीग्रो सैंया जी-2

मेरी वासना की कहानी के पहले भाग मेरे नीग्रो सैंया जी-1 अब तक आपने पढ़ा कि मेरे क्लासमेट अफ्रीकी नीग्रो निकोलस ने मुझसे आई लव यू बोल दिया था, जिस वजह से हम दोनों दूसरे दिन कॉलेज में एक दूसरे [...]

[Full Story >>>](#)

कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-4

मेरी तरफ से हाँ का इशारा पाते ही अंकल जी ने मुझे फिर से अपनी बांहों में भर लिया और मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए और मेरा निचला होंठ चूसने लगे साथ ही अपना हाथ नीचे लेजाकर मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

